

बुधवार

31 जनवरी 2024

कैशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बत्तिसर ■ शहाबाद ■ मगध

■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

लोक अद्यत की सफलता में मिडिया
की सहयोग आवश्यक : जिला ज

2

हेमंत सोरेन ने की दाँची में बैठक, विधायकों की मीटिंग में पहली बार शामिल हुई उनकी पत्नी

♦ कल्पना सोरेन के बैठक में शामिल होने के बाद यह चर्चा होने लगी कि उन्हें झारखंड का बनाया जा सकता है। सीएम

केटी न्यूज़/रंधी

ईडी की ताबड़तोड़ कार्रवाई के बाद राजनीतिक दलों में लहराल हो पैदा हो गया है। सभी अनेक बचने तथा स्पर्शकर में बने रहने के लिए कांडे न कर्म लगाने के प्रयास में जुट गये हैं। इसी कांडे में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ उनकी पत्नी बार हेमंत सोरेन के साथ उनकी पत्नी विधायक दल की बैठक में शामिल हुई। कल्पना सोरेन के बैठक में



जमीन धोखाधड़ी केस से जुड़े मामलों में हेमंत सोरेन ने बुलाई। रंधी में सीएम आवास पर यह बड़ी बैठक बुलाई गयी। बैठक में हेमंत सोरेन के साथ उनकी पत्नी भी मौजूद थी। इससे पहले हेमंत सोरेन की पत्नी किसी बैठक में शामिल नहीं हुई थी। पहली बार हेमंत सोरेन के साथ उनकी पत्नी विधायक दल की बैठक में शामिल हुई।

सोरेन ने अपने विधायकों को मीटिंग लगी कि कल्पना सोरेन को झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के साथ उनकी पत्नी विधायक दल की बैठक में शामिल हुई।

शामिल होने के बाद यह चर्चा होने सोरेन ने जिला स्थित आवास समेत

तीन ठिकानों पर छापेमारी की। कथित जमीन धोखाले में घिरे सोरेन के ठिकानों पर तलाशी के बाद जांच एजेंसी ने केश, कार और कागजात मिलने का दावा किया है। हालांकि, जांच एजेंसी की मुलाकात सीएम से नहीं हो गई है। सूत्रों से मानी जानकारी के अनुसार एक बीएमडब्ल्यू कार के साथ 36 लाख रुपए कैश जब्त किया गया। दरअसल, केंद्रीय जांच एजेंसी की एक टीम ने दिल्ली में शांति निकेतन स्थित सोरेन के आवास पर पहुंची। टीम करीब वहां 13 घंटे तक रही। इस दौरान सीएम हेमंत सोरेन इस दौरान बैलों पर नहीं मिले। जबकि, छापेमारी के दौरान 36 लाख रुपए कैश जब्त किया गया।

लैंड फॉर जॉब मामले ईडी ने तेजस्वी यादव से पूछे 60 करीब सवाल

पटना। राजद सुप्रीमो और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद मेरे लिए रेलवे की गुप्त डा को नौकरी के बदले जिमान मामले में ईडी ने 10 मंथ लंबी पूछाल की। सुबह की बैठक में ईडी ने शुरू हुई पूछताछ रात 9 बजे तक रही। नौ बजे कर पांच मिनट पर लालू प्रसाद अकेले ईडी दफ्तर से बाहर निकले थे। वहां लालू प्रसाद के छोटे बेटे तेजस्वी यादव से ईडी पूछताछ के लिए राजधानी पटना के दक्षर बुलाया गया। जिमान के बदले नौकरी मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को पूछाल के लिए बुलाया है। एजेंसी ने उन्हें 30 जनवरी को पूछताछ के लिए ईडी के पटना स्थित कार्यालय में बुलाया है। इसके लिए ईडी को अधिकारी एक के बाद एक दूसरे बालों की बैठकर नौटिस दिया था। मिली दौसरे बालों पर नहीं मिले। जबकि, छापेमारी के दौरान 36 लाख रुपए कैश जब्त किया गया।

तेजस्वी सुबह साढ़े 11 बजे से पटना के बैंक रोड स्थित एक दफ्तर पर पहुंचे थे। सूत्रों की माने तो पूछताछ के लिए अफसरों ने 60 सवालों की लिस्ट तैयार की थी। इस बात की आशंका जाती ही रही है कि लालू परिवार की मुश्किलें बढ़ने वाली हैं। ईडी के अधिकारी एक के बाद एक लगातार सवालों की बैठकर नौटिस कर रहे हैं। तेजस्वी यादव की एक भी नहीं चलने दे रहे हैं। वह देखना है कि ईडी के अधिकारी अपना अगला कदम क्या उठाते हैं।

सदन में नीतीश कुमार को पूर्ण बहुमत प्राप्त, उनके पास 128 विधायकों का समर्थन

10 फरवरी को बहुमत साबित करेंगे सीएम नीतीश कुमार

♦ पद से नहीं हटे स्पीकर तो अविश्वास प्रस्ताव पर होगी वोटिंग
♦ 17वें विधानसभा में यह दूसरा अवसर है, जब विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ आया है अविश्वास प्रस्ताव

केटी न्यूज़/पटना

महागठबंधन से वापस एनडीए में शामिल होने के बाद नीतीश कुमार अपना विश्वास मत हासिल करना होगा। इसके लिए आगामी 10 फरवरी को तो शिथ निराकारी को गुण है। इस दिन पक्ष और विधायक अपना पूरा तिकड़म लगाने के लिए आत्मरह है। हालांकि इसके लिए सारी तैयारी शुरू हो गयी है। सीएम नीतीश कुमार की अवधारणा में हुई उच्चस्तरीय बैठक में विश्वास मत हासिल करने का निर्णय लिया गया। मुख्यमंत्री आवास में हुई इस बैठक में उपमुख्यमंत्री समाप्त चौधरी व विजय कुमार सिन्हा मौजूद थे। पहले विधानमंडल का सत्र 12 फरवरी से होने की चर्चा ही। दरअसल, मौजूदा विधानसभा अध्यक्ष अवधारणी चौधरी के खिलाफ एनडीए ने 28 जनवरी को ही अविश्वास प्रस्ताव दिया है।

ऐसे में नियमानुसार 14 दिनों के बाद ही विधानमंडल का सत्र आहूत किया जा सकता है। इसीलिए 10 फरवरी का दिन तय किया गया है। इसके बाद आगे बजट सत्र होगा। इसकी प्रक्रिया अलग से चलायी जाएगी। वह 12 फरवरी से अग्री चलाया जा सकता है। वहां, 10 फरवरी को सवासे पहले विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाएगा। उन्हें पद से हटाने के बाद नीतीश सरकार सदन में विश्वास मत प्राप्त करेगी।

हालांकि, यह केवल औपचारिक ही होगी।

क्योंकि, सदन में नीतीश कुमार को पूर्ण बहुमत प्राप्त है। उनके पास 128 विधायकों का समर्थन है।

यह बहुमत के 123 के आंकड़े से अधिक है। नवी

सरकार को जदू और भाजपा के अलावा हम

और एक उच्चस्तरीय विधायक के भी समर्थन प्राप्त है।

जहां भाजपा के 78 और जदू के 45

विधायक हैं, वही हम के चार विधायक हैं। मालूम हो, कि 17वें विधानसभा में यह दूसरा अवसर है,

जब विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव को गुण होगा।

इसके पास 128 विधायकों का समर्थन है।

यह बहुमत के 123 के आंकड़े से अधिक है। नवी

सरकार को जदू और भाजपा के अलावा हम

और एक उच्चस्तरीय विधायक के भी समर्थन प्राप्त है।

यह बहुमत के 123 के आंकड़े से अधिक है। नवी

सरकार को जदू और भाजपा के अलावा हम

और एक उच्चस्तरीय विधायक के भी समर्थन प्राप्त है।

यह बहुमत के 123 के आंकड़े से अधिक है। नवी

सरकार को जदू और भाजपा के अलावा हम

और एक उच्चस्तरीय विधायक के भी समर्थन प्राप्त है।

यह बहुमत के 123 के आंकड़े से अधिक है। नवी

सरकार को जदू और भाजपा के अलावा हम

और एक उच्चस्तरीय विधायक के भी समर्थन प्राप्त है।

यह बहुमत के 123 के आंकड़े से अधिक है। नवी

सरकार को जदू और भाजपा के अलावा हम

और एक उच्चस्तरीय विधायक के भी समर्थन प्राप्त है।

यह बहुमत के 123 के आंकड़े से अधिक है। नवी

सरकार को जदू और भाजपा के अलावा हम

और एक उच्चस्तरीय विधायक के भी समर्थन प्राप्त है।

यह बहुमत के 123 के आंकड़े से अधिक है। नवी

सरकार को जदू और भाजपा के अलावा हम

और एक उच्चस्तरीय विधायक के भी समर्थन प्राप्त है।

यह बहुमत के 123 के आंकड़े से अधिक है। नवी

सरकार को जदू और भाजपा के अलावा हम

और एक उच्चस्तरीय विधायक के भी समर्थन प्राप्त है।

यह बहुमत के 123 के आंकड़े से अधिक है। नवी

सरकार को जदू और भाजपा के अलावा हम

और एक उच्चस्तरीय विधायक के भी समर्थन प्राप्त है।

यह बहुमत के 123 के आंकड़े से अधिक है। नवी

सरकार को जदू और भाजपा के अलावा हम

और एक उच्चस्तरीय विधायक के भी समर्थन प्राप्त है।

यह बहुमत के 123 के आंकड़े से अधिक है। नवी

सरकार को जदू और भाजपा के अलावा हम

और एक उच

